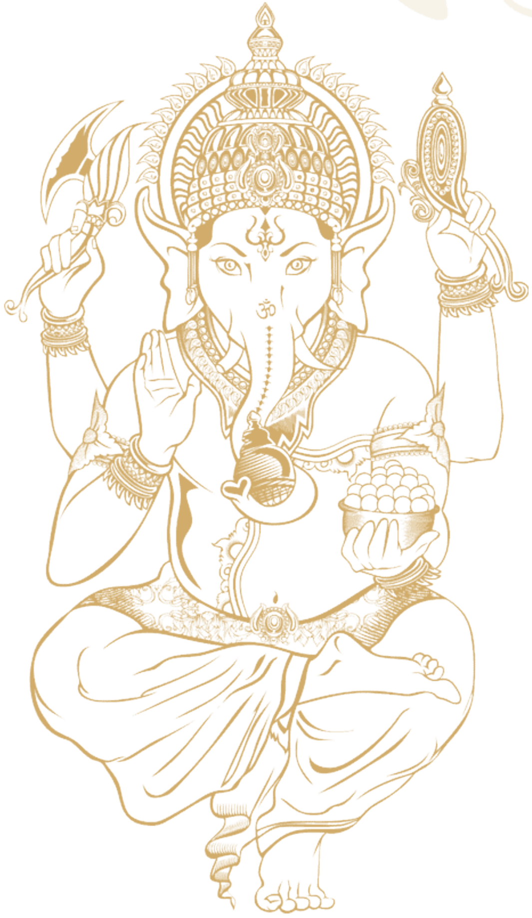

22 Feb 2025

09:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120954802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/02/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	36:31:29 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:28 घंटे
साम्पातिक काल	07:20:06 घंटे
सूर्योदय	06:53:24 घंटे
सूर्यास्त	18:16:12 घंटे
दिनमान	11:22:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:04:13 कुम्भ
लग्न के अंश	23:23:44 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:23:44	315:44:35	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	10:04:13	01:00:25	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	02:00:49	12:38:42	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		मिथु	22:49:08	00:01:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध			कुंभ	20:53:52	01:50:35	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			वृष	17:37:30	00:03:35	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	15:34:39	00:16:37	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	25:42:40	00:07:14	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		मीन	03:26:13	00:02:15	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	03:26:13	00:02:15	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	29:17:05	00:01:12	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	---
नेप			मीन	04:27:24	00:02:07	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:30:11	00:01:42	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	24:16:59	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:31

लग्न-चलित

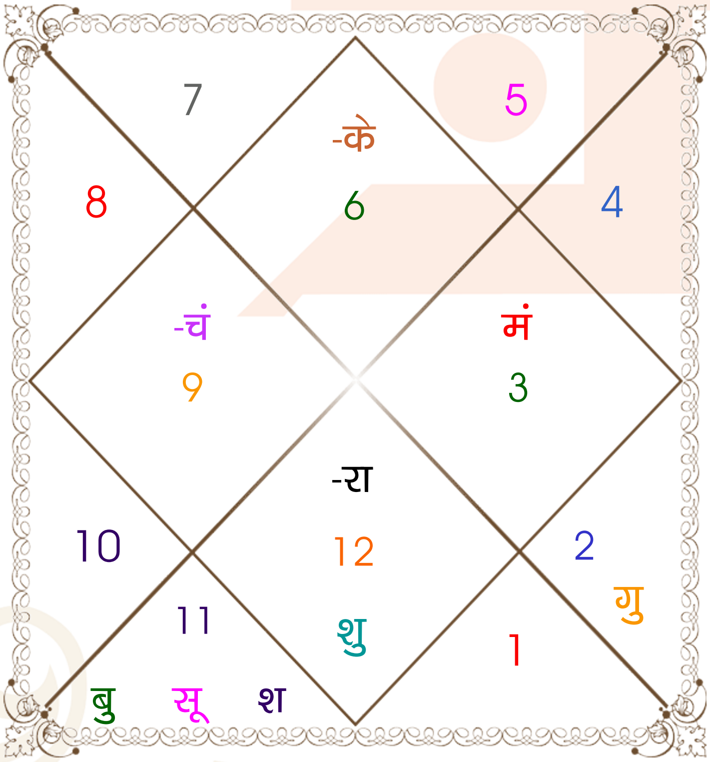

चन्द्र कुंडली

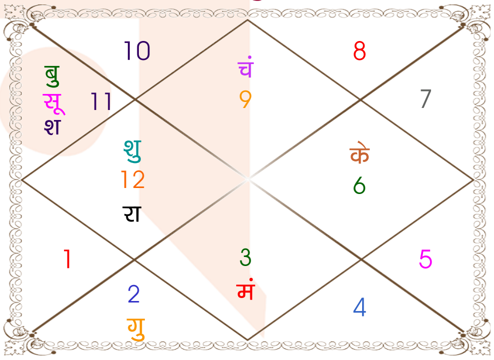

नवमांश कुंडली

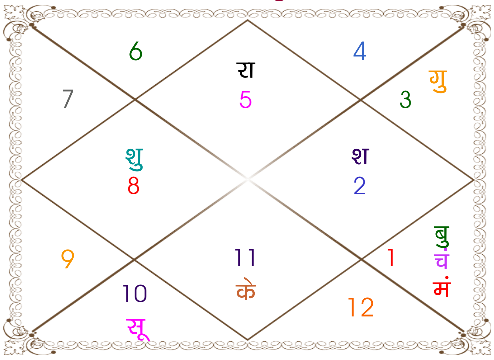

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 11 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/02/2025		02/02/2031		02/02/2051		02/02/2057		02/02/2067	
02/02/2031		02/02/2051		02/02/2057		02/02/2067		02/02/2074	
	22/02/2025	शुक्र	04/06/2034	सूर्य	23/05/2051	चंद्र	03/12/2057	मंगल	01/07/2067
शुक्र	31/08/2025	सूर्य	04/06/2035	चंद्र	21/11/2051	मंगल	04/07/2058	राहु	19/07/2068
सूर्य	05/01/2026	चंद्र	02/02/2037	मंगल	28/03/2052	राहु	03/01/2060	गुरु	25/06/2069
चंद्र	06/08/2026	मंगल	04/04/2038	राहु	20/02/2053	गुरु	04/05/2061	शनि	03/08/2070
मंगल	03/01/2027	राहु	03/04/2041	गुरु	09/12/2053	शनि	03/12/2062	बुध	01/08/2071
राहु	21/01/2028	गुरु	03/12/2043	शनि	21/11/2054	बुध	04/05/2064	केतु	28/12/2071
गुरु	27/12/2028	शनि	02/02/2047	बुध	27/09/2055	केतु	03/12/2064	शुक्र	26/02/2073
शनि	05/02/2030	बुध	03/12/2049	केतु	02/02/2056	शुक्र	03/08/2066	सूर्य	04/07/2073
बुध	02/02/2031	केतु	02/02/2051	शुक्र	02/02/2057	सूर्य	02/02/2067	चंद्र	02/02/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/02/2074		02/02/2092		03/02/2108		03/02/2127		03/02/2144	
02/02/2092		03/02/2108		03/02/2127		03/02/2144		00/00/0000	
राहु	15/10/2076	गुरु	22/03/2094	शनि	06/02/2111	बुध	02/07/2129	केतु	01/07/2144
गुरु	11/03/2079	शनि	03/10/2096	बुध	16/10/2113	केतु	29/06/2130	शुक्र	23/02/2145
शनि	14/01/2082	बुध	09/01/2099	केतु	25/11/2114	शुक्र	29/04/2133		00/00/0000
बुध	03/08/2084	केतु	16/12/2099	शुक्र	25/01/2118	सूर्य	05/03/2134		00/00/0000
केतु	21/08/2085	शुक्र	17/08/2102	सूर्य	07/01/2119	चंद्र	05/08/2135		00/00/0000
शुक्र	21/08/2088	सूर्य	05/06/2103	चंद्र	07/08/2120	मंगल	01/08/2136		00/00/0000
सूर्य	16/07/2089	चंद्र	04/10/2104	मंगल	16/09/2121	राहु	18/02/2139		00/00/0000
चंद्र	15/01/2091	मंगल	10/09/2105	राहु	23/07/2124	गुरु	26/05/2141		00/00/0000
मंगल	02/02/2092	राहु	03/02/2108	गुरु	03/02/2127	शनि	03/02/2144		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 11 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगी। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगी।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगी। आप अपने पति के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगी। आप व्यवहार कुशल महिला है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगी। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहती हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करती हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगी। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगी। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करती हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं।

आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखती हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगी। जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उनकी सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगी।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगी। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाली चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगी। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगी। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पति एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की

प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें। आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मूत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकती है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।